चार चने

(कविता)

6

चिड़िया लाई चार चने,
दाल बने फिर चार चने।
चिड़िया है मेहनती बड़ी,
करती कुछ हर एक *घड़ी*।
पीसी दाल बना बेसन,
चिड़िया खुश थी मन ही मन।
तभी चिड़ा आया घर में,
बेसन सूँघा क्षण भर में।
बोला 'ओ चिड़िया रानी'।
मुझे पकौड़ी है खानी।
बेसन तुमने पीस लिया,
कितना अच्छा काम किया।
बने पकौड़ी छन-छन-छन,
खाएँ फिर हम दोनों *जन*।
बनी पकौड़ी बैठे फिर,
खाया दोनों ने जी भर।
चिड़िया चार चने लाई,
घर में हँसी-खुशी आई।

-(डॉ० श्री प्रसाद)

शब्द-भंडार

घड़ी – पल, क्षण *(moment)*,
जन – प्राणी *(human)*,
जी भर – मन भर कर *(full of heart)*।

कविता का भावार्थ – प्रस्तुत कविता में कवि डॉ० श्री प्रसाद बताते हैं कि एक छोटी सी चिड़िया देखने में बहुत छोटी होती हैं परंतु उसकी मेहनत व परिश्रम सराहनीय और सीख लेने वाला होता है। चिड़िया चुगकर चार चने लाती है। जिससे वह दाल बनाते हैं। चिड़िया इतनी मेहनती होती है कि वह हर पल कुछ न कुछ करती रहती है। चिड़िया दाल को पीसती है और उससे वह बेसन बनाती है। वह अंदर ही अंदर बहुत खुश होती है।

उसी समय चिड़ा घर पर आता है और एक पल में ही बेसन की खुशबू को सूँघ लेता है। चिड़ा चिड़िया से पकौड़ी खाने को बोलता है। वह कहता है कि तुमने बेसन पीसकर बहुत अच्छा काम किया है। अब इसकी पकौड़ी बना लो जिससे दोनों प्राणी खा लें। पकौड़ी बनाकर दोनों ने जी भरकर खाई। चिड़िया के चार चने लाने से ही उनके घर में खुशियाँ आ गईं।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

मेहनती　　घड़ी　　चिड़ा　　पकौड़ी　　हँसी-खुशी

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) चिड़िया क्या लाई?

(ख) चिड़िया ने बेसन से क्या बनाया?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) चिड़िया कितने चने लाई?

☐ पाँच　　☐ चार　　☐ सात

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) मेहनती चिड़िया ने दाल का क्या किया?

.....

(ख) चिड़िया के साथ किसने पकौड़ी खाई?

.....

क्रियात्मक गतिविधि

- पाठ में जिस प्रकार चिड़िया मेहनती है ठीक उसी प्रकार, आप भी यह बताइए कि क्या आप भी मेहनती बालक हैं?